RNI No.-MPHIN/2001/14172

जाग उठा हमारा

आजाद हिन्दुस्तान

AZAD हिन्दुस्तान LIVE

सच के साथ.....

वर्ष-22 अंक-35 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 23 अगस्त से 29 अगस्त 2022 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

खरी-खरी बात : नपा अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता के साथ

नगर हित में यदि कठोर फैसले भी लेना पड़े तो जरूर लेगें

पांच सालों में रचेंगे बड़वाह नगर में विकास का नया इतिहास

लीज विवाद, दैनिक वेतनभोगी एवं सब्जी मंडी की समस्या का निराकरण मेरी प्राथमिकता

नवरत्नमल जैन

बड़वाह नगरपालिका अध्यक्ष पद पर भाजपा नेता श्री राकेश गुप्ता की शानदार जीत के बाद अब बड़वाह शहर के लोगों में उनसे नगर विकास को लेकर अनेक अपेक्षाऐं है और उन पर खरा उतरना श्री गुप्ता के लिये बडी चुनोती ।लोग जानना चाहते है उनकी कार्य प्रणाली क्या रहेगी? शहर के प्रमुख मुद्दों एवं विकास पर उनका क्या रोड़ मेप है? आगामी पांच साल में वे बड़वाह के विकास को किस रूप में देखना चाहते है?

आज हालात यह है कि जलआवर्धन एवं सीवरेज योजना के कारण पूरे शहर की सड़के खुदी पडी है। बारीश में गढ़ढों एवं कीचड से लोगों का जीना दुश्वार होरहा है। शहर में व्यवस्थित सब्जीमंडी निर्माण की मांग बरसों से चली आरही है कुछ समय से लीज पर दी गई सरकारी भूमि की लीज समाप्त होने के बाद खाली कराने को लेकर आये दिन विवाद सामने आरहे है। नगरपालिका में दयनीय हालातों के बाद भी राजनैतिक रसूखों पर नगरपालिका में सकड़ों लोगों का वैतन बिना किसी काम किये घर बेठे निकाला जारहा है वहीं नगर पालिका में चक्कर काटते काटते लोगों के काम नही होते आदि सभी मुद्दों को लेकर आजाद हिन्दुस्तान ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता से सीधी बात की। तो आईये आप भी सुनिये बडवाह की जनता के सवाल और नपाअध्यक्ष राकेश जी गुप्ता के जवाब .....

अध्यक्ष जी ,पहले वार्ड 12 जैसे चुनौती वार्ड में शानदार जीत और बाद में अध्यक्ष के चुनाव में दलगत राजनीति से उपर उठकर 18 में से 16 पार्षदों के समर्थन से मिली रिकार्ड जीत का राज क्या है और किसे श्रेय देना चाहेगें इस जीत के लिये ...

इस जीत का सबसे पहला श्रेय मेरे पूज्य गुरूदेव एवं ब्रह्मलीन पूज्य माता पिता जी को जिनके आशीर्वाद से आज मुझे नगर के प्रथम नागरिक बनने का सोभाग्य मिल सका और बड़वाह शहर की सेवा करने का अनमोल अवसर प्राप्त हुआ। फिर पार्टी संगठन के सभी वरिष्ठ जनों के प्रति आभारी हूं कि उन्होने मुझ पर विश्वास जताया और अध्यक्ष पद का दावेदार बनाया। उनके विश्वास पर अब मुझे खरा उतरकर दिखाना है।

इसके साथ ही पार्षद से लेकर अध्यक्ष बनने तक का सफल सफर तय करने का श्रेय जाता है मेरे चुनाव क्षेत्र वार्ड क्रमांक 12 के मतदाता गणों को जिनके अपार समर्थन एवं प्यार से मुझे शानदार जीत मिली। चुनाव के पहले लोगों ने वार्ड 12 को मेरे लिये काफी कठिन एवं चुनौती भरा होने की अफवाऐं फैलायी थी लेकिन वास्तविकता यह है जब मैं चुनाव प्रचार के लिये वार्ड में पहूंचा तो लोगों ने मुझे इतना प्यार और समर्थन दिया कि वहां मुझे प्रचार की जरूरत ही नही पडी। वार्ड वासियों ने ही पूरा चुनाव लड़ा। उन्हे भी अपेक्षा थी कि यदि मैं चुनाव जीता तो सामान्य सीट होने से अध्यक्ष बनने की संभावना है जिससे वार्ड में विकास की राह प्रशस्त होगी और वार्ड वासियों ने मुझे रिकार्ड मतों से जिताया। अब जिम्मेदारी मेरी है कि वार्डवासियों एवं शहर वासियों को विकास की दोड़ में निरंतर आगे लेकर जाउं।

जहां तक 18 मे से 16 पार्षदों के समर्थन का सवाल है तो मै समझता हूं कि इस बार जो पार्षद चुनकर आये है वे सभी विकास शील पार्षद है। वे चाहते थे कि उनके वार्ड सहित पूरे शहर मे विकास कार्यो का नया अध्याय लिखा जाये। शायद उन्होने मुझमें यह क्षमता देखी ,यही कारण है कि सभी पार्षदों ने दलगत राजनीति से उपर उठकर मुझे दिल खोलकर समर्थन दिया। यह मेरा सोभाग्य है कि मुझे शहर के विकास के लिये इतनी शानदार टीम मिली।

भाजपा के 9 पार्षदों में तीन दिग्गजों की दावेदारी के बीच कैसे संभव हुआ आपका भाजपा से अधिकृत दावेदार बनना। जबकि तीनों दावेदार खुलकर अध्यक्ष पद के लिये लाबिंग कर रहे थे? कैसे संतुष्ठ कर पाये बाकी दावेदारों को

देखिये राजनीति में आगे बढ़ना हर कोई चाहता है। यदि हमारी पार्टी के कुछ वरिष्ठ पार्षद अध्यक्ष उपाघ्यक्ष बनना चाहते थे तो इसमें बुराई क्या है? हर कोई चाहता है कि संगठन उनका नाम आगे बढाऐ लेकिन मै पहले ही कहचुका हूं कि मेने संगठन एवं पाटी के वरिष्ठ नेताओं के सामने पहले ही बात रख दी थी कि मैं केवल पार्षद बनने के लिए चुनाव नही लड़ रहा हूं और हमारे सभी पार्षद भी यह जानते थे इसलिये पार्टी में यह मुद्दा था ही नही , केवल मिडिया एवं विरोधियों द्वारा यह मुद्दा बैवजह से हाईलाईट किया जा रहा था। जबकि अन्दर में ऐसी कोई बात नही थी। आपने भी देखा कि पार्टी ने वो ही किया जो तय था और सभी के वोट मुझे मिले। हम सभी पार्षद नगर विकास में एक साथ है और हम सबका लक्ष्य केवल नगर का विकास ही है।

जितनी बडी आपकी जीत है उतनी ही बडी शहर वासियों की आपसे अपेक्षाये है। आपके सामने शहर में समस्याओं का अम्बार है। एक तरफ 18 पार्षदों की अपेक्षाओं एवं पीआईसी आदि के गठन की चुनौती है तो दूसरी ओर शहर के विकास की।

जब शहर की जनता एवं पार्षदों ने मुझे एकतरफा समर्थन देकर अध्यक्ष बनाया है तो तो उनकी अपेक्षाऐं होना भी बहुत स्वभाविक है। मेरा भी यही प्रयास रहेगा कि मैं उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतर सकूं। मेरा एक ही लक्ष्य है आने वाले पांच सालों में शहर में विकास का एक नया अध्याय लिखा जाये। थोड़ा समय जरूर लगेगा लेकिन शहर वासियों को अब हमारा नगर निरंतर विकास की ओर अग्रसर जरूर नजर आयेगा। जहां तक पीआईसी के गठन की बात है तो पार्टी के शीर्ष नेताओं , पार्षदों के साथ मिलकर इसका गठन करेगें। हम चाहते है कि विकास कार्यो में कोई भी रोडा नही बन सके। प्रत्येक वार्ड के विकास में वार्ड पार्षद के साथ साथ मेरा भी पूरा सहयोग रहेगा।

अध्यक्ष का चार्ज लेने के बाद किस मुद्दे से आप अपनी नई पारी की शुरूआत करना चाहेगें? जिससे शहर की जनता अपने नये अध्यक्ष को कुछ नया करते देखकर खुशी हो सके

सबसे पहले तो शुरूआत नगरपालिका से ही करना होगी। मेने इन 10 दिनों में महसूस किया है कि जिस नगरपालिका से शहर के विकास की योजनाओं को मूर्त रूप देना है तथा जहां लोगों की समस्याओं को हल करना है वो खुद बिमार एवं दयनीय अवस्था में है।

न तो यहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों में तालमेल है और न अपने दायित्व के प्रति अनुशासन। नगरपालिका की दयनीय आर्थिक हालात तो किसी से छुपे नही है ऐसे में उसे सुधारना और नगरपालिका का सुचारू संचालन मेरी प्राथमिकता होगी।

देनिक वैतन भोगी-

आपको आश्चर्य होगा यह जानकार कि बड़वाह नगरपालिका में सेकडों देनिक वैतन भोगी कर्मचारी ऐसे है जो अपने राजनैतिक रसूखों के समर्थन से घर बेठे बिना काम के वैतन ले रहे है। जब हम नगरपालिका जाते है तो नगर पालिका में 40 कर्मचारी नजर नही आते जबकि नगरपालिका लगभग 400 कर्मचारियों का वैतन निकाला जारहा है। अब यह सब नही चलेगा। काम नही करने वाले लोगों की छुट्टी होना तय है।

कई फाईले अधिकारी कर्मचारी छिपाये बेठे है -

यह भी जानकारी लगी है कि कई प्रमुख फाईले नगरपालिका से गायब है जो कुछ कर्मचारी या अधिकारी घर में इसलिये छिपाये बेठे है जिससे उसका निराकरण होने पर उनका कुछ भला हो सके। अब ऐसा नही चल पायेगा। सभी कर्मचारियों को सही समय पर उपस्थित होकर काम करना होगा। जो काम मे लापरवाही करेगा उसे बर्दाश्त नही किया जायेगा। नगर के नागरिकों द्वारा दिया टेक्स का पैसा बर्बाद नही होने दिया जायेगा।

कर्मचारियों का पीएफ खाते में जमा नही

कर्मचारियों की पीएफ का काटा गया पैसा बरसों से उनके खाते में जमा तक नही है। इतना पैसा कहा गया यह चिंता का विषय है। मै किसी पुरानों को दोष नही देता लेकिन अब इस प्रकार की अनियमितता नही चल पायेगी। एक खास बात ओर कि शहर में जहां 5000 नल कनेक्शन वैध है वहीं उससे अधिक अवैध। ऐसे मे संस्था का नुकसान होरहा है। उन सभी अवैध कनेक्शनों को वैध किया जायेगा।

इसलिये मेरा कहना है कि सुधार की शुरूआत नगरपालिका से होगी। जहां पर जनता के काम तत्काल हो, उन्हे चक्कर नही लगाना पड़े। काम के बदले सरकारी फीस के अलावा उन्हे कोई अतिरिक्त राशी नही देना पडे। और नगरपालिका आये हर नागरिक को अच्छे व्यवहार का अनुभव हो सके

शहर में आज की सबसे बडी समस्या है सिवरेज एवं जलअवर्धन योजना के ठेकेदारों द्वारा पूरे शहर की सड़कों को खोद रख देना है। हालात यह है कि कोई वार्ड ऐसा नही बचा है जहां की सड़क खुदी न पडी हो। कैसे सुधारेगें उसे।

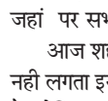

आप बिल्कुल सही कह रहे है कि सिवरेज एवं जलआवर्धन योजना के ठेकेदारों ने पूरे शहर की सड़कों को बर्बाद कर दिया। पहली बात तो यह है कि उनका समय समाप्त होने के बाद भी उनका काम पूरा नही होया और दूसरा सडकों को खोदकर उसकी समय पर मरम्मत भी नही की और जहां की है वहां पर भी केवल लीपा पोती की गई है। ऐसे में शहर वासियों का जीना दुश्वार हो रहा है। अब योजनाओं के इन ठेकेदारों को न केवल समय बद्ध तरीके से काम करना होगा बल्कि तत्काल सड़कों की गुणवत्ता के साथ मरम्मत भी करना होगी इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। बहुत सहन कर लिया नगरवासियों ने इनका मनमाना पन , अब इसे नही सहन किया जायेगा।

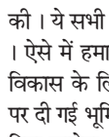

बड़वाह में एक व्यवस्थित सब्जीमंडी की मांग चली आरही है। पहले स्टेशन रोड़ पर सब्जीमंडी थी अब सुभाष चोक में है। फलों के ठेले यहां वहां दुकानों के सामने और मुख्य सडकों के किनारे लगे रहते है। क्या समाधान करेगें

विकास की प्राथमिकता में यह मुद्दा सबसे पहले है। मै जिस वार्ड से चुनाव जीतकर आया हूं वहां के ज्यातर लोग सब्जी व्यवसाय से ही जुड़े हुये है। उनके लिये भी ये मुद्दा संवेदन शील है तो आम नागरिकों के लिये भी। अब मेरा प्रयास है कि नगर में एक सुव्यवस्थित सब्जीमंडी एवं फल मंडी का निर्माण किया जाये जहां पर सभी सब्जीवाले एवं फल वाले अपना व्यापार कर सके।

आज शहर की सड़कों पर दुकानों के सामने ठेले खडे रहते है यह ठीक नही लगता इससे आम नागरिको एवं व्यापारियों को भी परेशान होना पडता है लेकिन उनकी भी मजबूरी है। उनका व्यापार उसी पर टिका है ऐसे में हमारी तलाश ऐसी जगह सब्जी मंडी का निर्माण करना है जहां पर शहर की एक ही जगह सारी सुविधाओं के साथ सब्जी मंडी लग सके।

नगरपालिका द्वारा लीज पर दी गई जमीनों की लीज पूरी होने के बाद उसे खाली करवाने का मुद्दा बार- बार सामने आता है। इसके लिये क्या प्रयास करेगें।

आपको यह जानकार बडा आश्चर्य होगा कि शहर में 180 से अधिक सम्पत्तियां या जमीने ऐसी है जिन्हे लीज पर दिया गया है और उनकी लीज समाप्त हो चुकी है। न तो उन्होने लीज रिनीवल करवाई और न ही उन्होने जगह खाली की। ये सभी सम्पत्तियां नगरपालिका की है वे लीजधारक है न कि मालिक। ऐसे में हमारा प्रयास रहेगा कि जो सम्पत्तियां नगर पालिका को शहर के विकास के लिये जरूरी होगी वो खाली करवाई जायेगी बाकी की लीज पर दी गई भूमि का वर्तमान नीति के अनुसार रिनीवल करवाने का अवसर दिया जायेगा। सभी नागरिक मेरे अपने है हम किसी को बेघर नही करेगें लेकिन नगरपालिका का नुकसान भी सहन नही करेगें। नगर हित में कोई ठोस एवं कठोर निर्णय लेने पडे तो हम लेने से बिल्कुल नही हिचकिचायेगें और मेरा सभी से निवेदन है कि नगर हित में वे मेरा साथ दे।

मुख्य मार्गो पर कई सरकारी स्कूल खंडहर अवस्था में है एसे में उन्हे नई जगह स्थानांतरित कर उनके स्थान पर शापिंग कॉम्लेक्स का निर्माण करने की कोई योजना है। जिससे नगरपालिका की आय बढ़ सके।

पूर्व की परिषदों में भी इन मुद्दों पर विचार किया गया लेकिन अभी तक ये हो नही पाया। अब हमारा प्रयास होगा कि सभी सरकारी स्कूलों को एक ही प्रांगण में स्थानांतरित किया जाये , हमारे शिक्षा विभाग के पास ऐसी जमीने है जहां पर सभी स्कूले एक साथ संचालित की जा सकती है। हम शासन, शिक्षा विभाग एवं मुख्यमंत्री से बातचीत कर खंडहर स्कूलों डिस्मेंटल करवाने का प्रयास करेगें और उन स्कूलों को नवनिर्माण करवाने का प्रयास करेगें। जिससे इन स्थानों पर शापिंग काम्लेक्स आदि का निर्माण किया जा सके

शहर में पार्किंग एवं शोचालयों के निर्माण को लेकर क्या सोचते है?

नगर में सुव्यवस्थित पार्किंग का होना बहुत जरूरी है साथ ही मुख्य स्थानों पर शोचालय निर्माण भी जरूरी है। उसके लिये हमारा प्रयास गंभीरता से होगा। पुराने शोचालयों को सुविधाजनक बनाना और नये शोचालयों का निर्माण करवाना हमारी प्राथमिकता में है।

नगरपालिका सीमा में आने वाली कालोनियों की परमीशन ग्राम पंचायतों से लेकर विकसित करने का मुद्दा उठता आया है साथ ही नगरसीमा में वृद्धि को लेकर आप कितन गंभीर है

ये दोनो मुद्दे अलग अलग है पहला मुद्दा तो ये कि नगर सीमा में निर्मित की जाने वाली कॉलोनियों की एनओसी पंचायतों से लेने का सिलसिला चल निकला है। यह गलत है। पुराने समय में जो हुआ वो हुआ उस पर हम नही जाना चाहते लेकिन भविष्य में ऐसा नही होने दिया जायेगा। इससे एक ओर जहां नगरपालिका का रेवन्यू का नुकसान होता है वहीं वहां के रहवासियों को विकास एवं सुविधाओं से वंचित रहना पडता है।

दूसरी बात नगरसीमा वृद्धि को लेकर है। उसके लिये गंभीरता से प्रयास जारी रहेगें। बगेर सीमा वृद्धि के शहर का समुचित विकास नही होसकता। हमारे यहां एक ओर मॉ नर्मदा का पवित्र घाट है तो दूसरी ओर जयंती माता का पवित्र वास। ऐसे में सीमा वृद्धि होती है तो विकास एवं रोजगार के अनेक अवसर यहां मिल सकेगें।

लेकिन ग्राम पंचायतों के चुनाव भी हुये है। नये सरपंच बने है, ऐसे में हमारा प्रयास होंगा कि सीमा वृद्धि के प्रस्ताव पर उनकी सहमति भी मिले और वे अपने कार्यकाल को पूरा भी करे। शासन की ओर से भी हमारा पूरा प्रयास होगा कि सीमावृद्धि के प्रयासों को जल्दी साकार रूप मिल सके।

इन्दौर- इच्छापुर मार्ग पर बड़वाह सीमा में आने वाले मुख्य मार्ग की हालत बहुत खराब है। इसके नवनिर्माण के लिये क्या प्रयास हो सकते है?

वास्तव में इस सड़क की हालत बहुत खराब है। इस मार्ग की वजह से हुई दुर्घटनाओं में हमने अनेक लोगों की जान जाते देखी है लेकिन यह सड़क नगरपालिका के अधीन नही होने से ज्यादा कुछ नही कर पाते। हमारा प्रयास होगा कि हमारे सासंद श्री ज्ञानेश्वर जी पाटिल , विधायक सचिन बिरला एवं शासन के प्रयासों से इस समस्या स्थायी निराकरण करवा सके। हमारा प्रयास है कि काटकूट फाटे से लेकर नर्मदा जी तक की यह सड़क नगर की सबसे सुदंर सड़क बने दोनों ओर चोडीकरण के साथ ही बीच डिवाईडर हो जिससे इससे समस्या का स्थायी निराकरण हो सके। तब तक हमारे चार्ज लेने के बाद इसे जितना संभव हो सकेगा यातायात के लिये सुगम बनाने का प्रयास जरूर किया जायेगा। जिससे तात्कालिक निजात मिल सके।

कुल मिलाकर नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता का स्पष्ट कहना है कि उनका लक्ष्य आने वाले पांच सालों में नगर को विकास की नई उचांइयों तक लेजाना है। उसके लिये यदि उन्हे नगरहित में कोई कठोर निर्णय भी लेने पडे तो जनता का उसमें साथ चाहिये। क्यो कि शहर वासियों ने उन्हे नगर के विकास की जिम्मेदारी दी हैं जिस पर वे हर हालत में खरा उतरना चाहते है।

अब देखना यह है कि एकतरफा बहुमत से बने नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता अपने संकल्पों में कितना खरा उतर पाते है। कुछ ही दिनों में वे नगरपालिका अध्यक्ष का कार्यभार सम्हालेगें ऐसे में उसके बाद उनकी कार्यप्रणाली प्रत्यक्ष में जमीनी धरातल पर नजर आयेगी।